यूपी ही नहीं, राजनीति का चेहरा भी बदल जाएगा

उत्तर प्रदेश चुनाव के नतीजे को ज्यादातर लोगों ने बहुत चौंकाने वाला बताया परन्तु ऐसा है नहीं. हमने 8 अगस्त 2016 के 'दैनिक जागरण' में अपने लेख में पूरे प्रदेश की शीघ्र ही बदलने वाली राजनीतिक तस्वीर पेश करने का प्रयास किया था। प्रदेश के चारों भागों, पूर्वान्चल, बुन्देलखण्ड, मध्यांचल और पश्चिमांचल के हालात का जिक्र करते हुए हमने कहा था कि इन इलाकों के मतदाता राष्ट्रीय दलों की तरफ इस बार उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं. इन क्षेत्रों की समस्याएं कई दशक से जस की तस हैं, बल्कि क्षेत्रीय दलों के शासन काल में और बढ़ती गई हैं.

राष्ट्रीय दलों के नाम पर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में जनाधार रखती थीं लेकिन क्षेत्रीय दलों के आगमन के बाद, खासकर पिछले पंद्रह वर्षों में वे हाशिए पर चली गईं थी. शुरू में कांग्रेस भी इस बार प्रदेश की सत्ता की दावेदार थी लेकिन जैसे ही उसने समाजवादी पार्टी से गठबन्धन की घोषणा की, जनता ने उसे अपनी नजरों से तभी उतार दिया था. तब राष्ट्रीय दलों में सिर्फ भारतीय जनता पार्टी बची क्योंकि मतदाता इस बार क्षेत्रीय दलों पर भरोसा नहीं करना चाहती थी। वह इसे तमिलना□ की राजनीति की तरफ नही ले जाना चाहती थी. तभी उसने मन में संकल्प कर लिया था जिसका आभास यहां के क्षेत्रीय दल नही कर पाये। जनता का मन नहीं समझ पाने वाले ऐसे ही दलों और लोगों को चुनाव परिणाम चौंकाने वाले लगे हैं.

11 मार्च को जो विधान सभा चुनाव परिणाम आये वह भाजपा के लिये करीब-करीब आशा के अनुरूप ही थे। चुनाव नतीजों से भी ज्यादा हैरान करने वाली बात लोगों के लिए मुख्यमंत्री का चयन साबित हुआ. योगी जी को मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा पर खुद भाजपा कार्यकर्ता और नेता भी हैरत में पड़े। विपक्षी दलों और राजनीतिक विश्लेषकों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की. लेकिन इसमें भी हैरान करने जैसा कुछ नहीं था. यह एकाएक हुआ फैसला भी नहीं है. वास्तव में, यह एक-दो दिन में नही हुआ. इसकी रूप रेखा दो वर्ष पहले ही तैयार कर ली गयी थी। मोदी जी और अमित शाह की टीम ने उत्तर प्रदेश के कायाकल्प का रो□ मैप बहुत सोच-समझ कर तैयार किया है. योगी जी उस प्लान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं.

वर्तमान सी0एम0 से प्रदेश के जनता को काफी आशाएं है. योगी जी को विरासत में ऐसा प्रदेश मिला है जहां पिछले □ढ़ दशक से, बल्कि उसके पहले से भी घोर जातिवाद फैला हुआ है. शासन-प्रशासन, उसके फैसलों और छोटे-बड़े अधिकारियों की तैनाती में जातिवाद ही प्रमुख रहा. वर्ग और जाति विशेष की राजनीति चलती रही. महिलाओं की सुरक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया गया. कानून-व्यवस्था जातीय नेताओं-अधिकारियों के इशारे पर नाचती रही. भ्रष्टाचार इतना बढ़ गया कि अधिकारियों की कौन कहे, मंत्रिपरिषद के वरिष्ठ सदस्य तक उसमें आकण्ठ □ूबे रहे. शिक्षा का स्तर बहुत नीचे आ गया. गरीबों और किसानों की घोर उपेक्षा हुई। पूंजी निवेश के प्रति आकर्षण खत्म होता गया. इन ही वजहों से प्रदेश मूलभूत सुविधाओं से वंचित होता आया.

इन हालात में बी0जे0पी0 का एक योगी पर विश्वास करना और सबसे बड़े प्रदेश के मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपना, बहुत बड़ा एवं साहसिक कदम है. आदित्य नाथ योगी एक ऐसी सरकार की स्थापना करेगें जिसमें जाति विशेष नही, सभी वर्गो का पूरा समावेश हो, शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा, और बाहर से पूंजी निवेश का पूरा माहौल पैदा होगा. वे यू0पी0 को, जो पिछले कई दशकों से विकास दर में बहुत नीचे चला गया था, एक आदर्श प्रदेश बनायेगें। आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश गुजरात, महाराष्ट्र से भी ज्यादा उद्योगपतियों के लिये आकर्षण का केन्द्र बन जायेगा। अब यहां जातीय दंगों का कोई स्थान नहीं होगा और धार्मिक उन्माद भी खत्म हो जायेगा। इस सब का सीधा नतीजा यह होगा कि प्रदेश में वास्तविक विकास का वातावरण बनेगा. राजनैतिक नेता और अधिकारी समस्याओं को दूर करने पर ध्यान देंगे. पूर्वांचल हो या बुंदेलखण्ड, मधांचल या पश्चिमी प्रदेश, वहां की सम्स्याएं दूर होने लगेंगी. हालात इतने सुधर जाएंगे कि विपक्ष को आने वाले दिनों में योगी सरकार पर

वार करने के लिये कोई ठोस मुद्दा हाथ नही लगेगा। फिलहाल यह सरकार पांच वर्षो के लिये चुनी गई है लेकिन योगी जी के नेतृत्व वाली सरकार यहां काफी वर्षो तक राज करेगी.

कुछ बड़े सख्त कदम आने वाले समय में केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की जोड़ी उठायेगी, जिससे पूरा माहौल बदलेगा। □न दोनों नेताओं के हाथों ऐसी राजनीति की आधारशिला रखी जायेगी कि आने वाले कुछ ही वर्षों में राजनीति □क व्यवसाय की तरह नही रह जा□गी. बल्कि वही लोग □समें आयेगें जिनमें गम्भीरता हो, सेवा भाव हो और जो देश □वं समाज के लि□ कुछ करना चाह्ते हैं. ऐसे लोग शुद्ध रूप से राजनीति ही करेगें, न कि अपना और अपने परिवार का विकास। राजनीति में आने का माफियाओं का आकर्षण खत्म हो जायेगा, क्योंकि □समें पूरी तरह से पारदर्शिता लाने की कोशिश की जायेगी। □ससे □क नये राजनीतिक माहौल का जन्म होगा। ऐसा राजनैतिक माहौल जो आजादी के बाद धीरे-धीरे खत्म हो गया और □क व्यवसाय में बदल गया था।

यू0 पी0 ने देश को सबसे ज्यादा पी0□म0 दिये है. तब भी यह राज्य पिछड़ता गया. लेकिन कुछ ही समय बाद हम देखेंगे कि माहौल बदलने लगा है. बल्कि शुरुआत हो चुकी है. यह प्रदेश अब देश के लिये विकास का □क उदाहरण बन जायेगा। आश्चर्य नहीं होगा जब कुछ वर्षो के उपरान्त लोग बरबस ही बोल पड़ेगें- क्या यह वही यू0पी0 है जो 19 मार्च 2017 तक था!